

अग्र भारत

नई सोच का अखबार

www.agrabharat.in

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र



वर्षः 19 | अंकः 123 | आगरा, शुक्रवार 23 अक्टूबर 2026 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2.00 रू.

बर्थडे पर अमित शाह को पीएम मोदी ने दी खास अंदाज में बधाई

नई दिल्ली,(ए)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को जन्मदिन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खास अंदाज में बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पोस्ट करते हुए शाह कार्यों की तारीफ की और दीर्घायु होने की मंगलकामना की है। पीएम मोदी के साथ ही केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, शिवराज सिंह चौहान, नितिन गडकरी, जेपी नड्डा एवं गजेंद्र सिंह शेखावत समेत अनेक नेताओं ने शाह को जन्म दिन की बधाई प्रेषित की है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने अपनी पोस्ट में कहा, गृह मंत्री अमित शाह को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। उनकी प्रशासनिक समझ ने देश की आंतरिक सुरक्षा-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया है। माओवाद के खतरे को समाप्त करने और नशामुक्त समाज के हमारे सपने को आगे बढ़ाने में मिली सफलताएं विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। पोस्ट में पीएम मोदी ने आगे लिखा, मैं प्रार्थना करता हूं कि उन्हें लोगों की सेवा में एक लंबा और स्वस्थ जीवन मिले।



वहीं केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शाह को जन्म दिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा, केंद्रीय मंत्रिमंडल में मेरे साथी केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। देश की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने और सहकारिता क्षेत्र को नई गति प्रदान करने में अमित शाह पूरे मनोयोग और कर्मठता के साथ काम कर रहे हैं। मैं उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु होने के साथ ही साथ राष्ट्रसेवा में उनकी निरंतर सक्रियता की ईश्वर से कामना करता हूं।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जन्म दिन की बधाई देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा, जनप्रिय जननेता, कुशल संगठनकर्ता और श्रेष्ठ रणनीतिकार और अपने दृढ़ संकल्प शक्ति के आधार पर देश की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ और सहकारिता क्षेत्र को समृद्ध बनाने में सतत-रत देश के यशस्वी गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं!

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पोस्ट करते हुए कहा, कि केंद्रीय कैबिनेट में मेरे साथी गृह मंत्री अमित शाह को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और मंगलमय-जीवन की प्रार्थना करता हूँ।

इसी तरह स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने भी शाह को जन्म दिन की बधाई देते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में आपके द्वारा 'नक्सल मुक्त भारत' का संकल्प साकार होना एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, जिससे देश की आंतरिक सुरक्षा सुदृढ़ हुई है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि जन-सहभागिता से यह संकल्प भी अवश्य सिद्ध होगा। वहीं विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने केंद्रीय मंत्री शाह को जन्मदिवस की अनंत शुभकामनाएं देते हुए कहा, राष्ट्र की सुरक्षा और जनकल्याण के प्रति आपकी प्रतिबद्धता सराहनीय है। केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा, सुरक्षित, समृद्ध और सशक्त राष्ट्र के निर्माण हेतु आपकी प्रतिबद्धता हम सभी के लिए अनुकरणीय है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पोस्ट में लिखा, गृह और सहकारिता मंत्री शाह को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। मां भारती की सेवा में आपका समर्पण और राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा के प्रति आपका अटूट विश्वास हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। वहीं केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शाह को जन्मदिन की बधाई देते हुए नए भारत का लौह पुरुष बताया है। इस तरह देश के अनेक नेताओं और प्रमुख लोगों ने केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री, भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह को जन्मदिवस की हार्दिक बधाई देते हुए उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु जीवन एवं असीम ऊर्जा प्रदान करने हुए ईश्वर से मंगलकामनाएं की हैं।

सिंधु जल रोकने के प्रोजेक्ट अटकेः पाकिस्तान को पानी रोकने में लगेगा और समय

नई दिल्ली,(ए)। भारत द्वारा पाकिस्तान को जाने वाली नदियों का पानी रोकने के लिए चलाए गए महत्वाकांक्षी ऑपरेशन सिंदूर के तहत शुरू किए छह प्रमुख हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट्स का काम अब धीमा पड़ गया है। करीब 4,963 मेगावॉट क्षमता वाले प्रोजेक्ट्स का मकसद पाकिस्तान को मिलने वाले पानी को भारत में ही रोककर बिजली बनाना और जल संसाधनों का बेहतर उपयोग करना था। केंद्र सरकार के दबाव और तेजी से काम पूरा करने के निर्देशों के बावजूद, ये प्रोजेक्ट प्रशासनिक अड़चनों, पर्यावरण मंजूरी, मजदूरों के विवाद और प्राकृतिक आपदाओं जैसी कई बाधाओं के कारण अटके हुए हैं।

नेशनल हाइड्रो पावर कॉर्पोरेशन (एनएचपीसी) के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दो प्रोजेक्ट करीब पूरे होने वाले थे, लेकिन अंतिम चरण में फंस गए। अब नई मंजूरियां मिलने के बाद इन्हें पूरा होने में 2-3 साल का अतिरिक्त समय लग सकता है। यह परियोजनाएं भारत द्वारा सिंधु जल समझौते को स्थगित करने के बाद शुरू की गई थीं। पहलगाम हमले के उपरांत, चिनाब और झेलम नदियों के पानी का उपयोग भारत में करने के लिए इन परियोजनाओं को गति दी गई। इसमें से सबसे महत्वपूर्ण,



1,856 मेगावॉट क्षमता वाला सावलकोट प्रोजेक्ट विशेष रूप से प्रभावित हुआ है, जिसका ग्लोबल कंसल्टेंसी टेंडर अचानक रद्द किया गया था। इसकी फाइल अब निवेश संवर्धन बोर्ड (पीआईबी) और आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीआईसी) की मंजूरी का इंतजार कर रही है।

हालांकि, सिंधु जल समझौता स्थगित होने के बाद भारत ने रावी नदी का पानी पाकिस्तान के बजाय अपने दूसरे राज्यों में भेजना शुरू किया है। इसके लिए पंजाब में शाहपुर कंडी बैराज और रणजीत सागर डैम का सफलतापूर्वक उपयोग हो रहा है। इसी तरह, जम्मू-कश्मीर में चिनाब नदी पर बने बगलिहार और सलाल हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स के जरिए भी पानी के बहाव को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया गया है। इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए, केंद्र सरकार और ऊर्जा मंत्रालय अब एक विशेष टास्क फोर्स या उच्चस्तरीय निगरानी समिति गठित करने पर विचार कर रहे हैं। एनएचपीसी और अन्य संबंधित एजेंसियां भी लंबित मंजूरियों की प्रक्रिया में तेजी लाने के उपाय कर रही हैं, ताकि ऑपरेशन सिंदूर अपने पूर्ण लक्ष्य को प्राप्त कर सके।

टाइगर श्रॉफ केसः शूटर ऋतिक की लग्जरी लाइफ चर्चा में

पटना(ए)। बिहार के बेगूसराय के एक गांव से निकलकर मुंबई पहुंचे ऋतिक कुमार की बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग के मामले में गिरफ्तारी के बाद उसकी सोशल मीडिया प्रोफाइल और लाइफस्टाइल चर्चा का विषय बन गई है। इंस्टाग्राम पर 7 हजार से ज्यादा फॉलोअर्स, प्रेमानंद गोविंद शरण जी महाराज के आधिकारिक पेज भजन मार्ग ऑफिशियल को फॉलो करना, स्टाइलिश रील्स, जिम के वीडियो और महंगी गाड़ियों के साथ तस्वीरें ऋतिक की ऑनलाइन दुनिया को उसके साधारण पारिवारिक परिवेश से बिल्कुल अलग दिखाती हैं।

एक तरफ, ऋतिक के पिता रामू महतो गांव में लिट्टी-समोसे और नाश्ते की दुकान चलाते हैं, जबकि मां संयुक्ता देवी एक मेकअप की दुकान संभालती हैं। परिवार मूल रूप से मटिहानी थाना क्षेत्र के बदलपुरा गांव का निवासी बताया जाता है, जो अब डुमरी में रहता है। दूसरी तरफ, ऋतिक के इंस्टाग्राम अकाउंट ऋतिक लाइफस्टाइल पर दिखाई देने वाली तस्वीरें और वीडियो उसकी एक अलग ही जीवनशैली की झलक पेश करते हैं। उसकी प्रोफाइल पर मौजूद वीडियो



में वह अलग-अलग जगहों पर स्टाइलिश अंदाज में नजर आता है, जिम में कसरत करते हुए दिखता है और शरीर पर टैटू भी बनवाए हैं। महंगी गाड़ियों के साथ तस्वीरें खिंचवाना और रील्स बनाना उसकी सोशल मीडिया गतिविधियों का अहम हिस्सा था। इस विरोधाभास के सामने आने के बाद उसकी जीवनशैली को लेकर कई सवाल उठाए जा रहे हैं, जिसका वास्तविक कारण अभी सामने नहीं आया है। परिजनों के मुताबिक, ऋतिक कई सालों तक दिल्ली में काम करने के बाद मुंबई चला गया था, जहां वह छह महीने से अधिक समय से कुकिंग और रैपिडो से जुड़े काम कर रहा था। उसकी मां संयुक्ता देवी ने बताया कि उन्होंने बेटे को बाइक खरीदने के लिए 41 हजार रुपये भेजे थे। मां का दावा है कि उनके बेटे को इस मामले में फंसाया गया है, और आशंका जताई है कि उसके दोस्त उसे लालच देकर या बहकाकर इस घटना में शामिल कर सकते हैं।

मुंबई में रहते हुए ऋतिक का एयरपोर्ट पर काम करने वाली ज्योति नाम की युवती से प्रेम प्रसंग था और दोनों आने वाले महीनों में शादी की तैयारी कर रहे थे। ऋतिक की मां के अनुसार, 18 अक्टूबर को उसने अपनी प्रेमिका को घर जाने के लिए ट्रेन में बैठाया था।

अंकिता भंडारी हत्याकांडः अभिनेत्री उर्मिला का नार्को टेस्ट होगा?

सहारनपुर(ए)। अंकिता भंडारी हत्याकांड में कथित वीआईपी एंगल का पता लगाने के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो अभिनेत्री उर्मिला सनावर का पॉलीग्राफ और नार्को टेस्ट कराना चाहती है। इस सिलसिले में उर्मिला सनावर को 23 अक्टूबर को देहरादून की अदालत में पेश होने का नोटिस जारी किया गया है, जहां उनकी सहमति की पुष्टि की जाएगी। सीबीआई का मानना है कि इन परीक्षणों से केस से जुड़े महत्वपूर्ण रहस्यों का खुलासा हो सकता है।

इससे पहले सीबीआई की एक टीम सहारनपुर स्थित उर्मिला सनावर के घर पहुंची और उन्हें यह नोटिस सौंपा। नोटिस में उन्हें सुबह 10:30 बजे विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में उपस्थित होने को कहा गया है। यह नोटिस विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीबीआई) संदीप सिंह भंडारी ने 21 अक्टूबर, 2026 को



जारी किया था। अदालत में यह स्पष्ट किया जाएगा कि अभिनेत्री उर्मिला सनावर ये दोनों परीक्षण अपनी मर्जी से देने के लिए तैयार हैं या नहीं। उनकी सहमति दबाव, धमकी, लालच या किसी अनुचित प्रभाव से मुक्त होनी चाहिए।

सीबीआई ने जांच के दौरान पॉलीग्राफ और नार्को टेस्ट कराने की अनुमति के लिए अदालत में आवेदन किया है। अंकिता हत्याकांड में कथित वीआईपी के नाम को लेकर आरोप सामने आने के बाद यह मामला एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। उर्मिला सनावर से जुड़े कथित ऑडियो और वीडियो सामने आने के बाद इस प्रकरण ने राजनीतिक रूप भी ले लिया था। हालांकि, उर्मिला सनावर पहले ही इन परीक्षणों के लिए अपनी सहमति देने की बात कह चुकी हैं। जांच एजेंसी का मानना है कि इन परीक्षणों से अंकिता भंडारी हत्याकांड से जुड़े रहस्यों और खास तौर पर वीआईपी कहे जाने वाले व्यक्ति के नाम का खुलासा हो सकता है, जो इस केस में एक महत्वपूर्ण मोड़ ला सकता है। इस मामले में सीबीआई की जांच जारी है और वीआईपी एंगल को सुलझाने के लिए यह कदम बेहद अहम माना जा रहा है।

एफसीआरए पर सरकार का सख्त रुख कायम, विपक्ष की उम्मीदों को झटका

नई दिल्ली (ए)। केंद्र सरकार विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) को लेकर अपने रुख में कोई बदलाव करने के पक्ष में नहीं दिख रही है। सूत्रों के अनुसार, सरकार आगामी शीतकालीन सत्र में इस कानून से जुड़े प्रस्तावों पर आगे बढ़ने की तैयारी में है। विदेशी चंदे के नियमन, उसके इस्तेमाल में पारदर्शिता और संबंधित संस्थाओं की जवाबदेही के मुद्दे को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की रिपोर्ट के आधार पर और सख्त बनाया जाएगा। यह कदम उन विपक्ष की उम्मीदों को धूमिल कर सकता है जो इस कानून में ढील की अपेक्षा कर रहे थे।

एफसीआरए भारत में कार्यरत गैर-सरकारी संगठनों, सामाजिक संस्थाओं और अन्य पात्र संगठनों पर लागू होता है, जो विदेश से धन प्राप्त करते हैं। इस कानून का मुख्य उद्देश्य विदेशी योगदान को नियंत्रित करना और यह सुनिश्चित करना है कि प्राप्त धन का उपयोग केवल निर्धारित उद्देश्यों के लिए ही हो, जिससे किसी भी प्रकार के दुरुपयोग को रोका जा सके। इससे पहले, एफसीआरए संशोधन विधेयक, 2026 को लोकसभा में 25 मार्च को पेश किया गया था। बाद में, 12 अगस्त को इसे विस्तृत समीक्षा के लिए 31 सदस्यीय संयुक्त संसदीय समिति के पास भेज दिया गया। समिति को शीतकालीन सत्र के पहले सप्ताह के अंतिम दिन तक अपनी रिपोर्ट सौंपनी है। प्रस्तावित संशोधनों में एक महत्वपूर्ण प्रावधान यह भी है कि विदेशी धन से बनाई गई संपत्तियों के प्रबंधन और निपटान के लिए एक नामित प्राधिकरण का गठन किया जाएगा। इस विधेयक पर विचार-विमर्श करने वाली संयुक्त संसदीय समिति के प्रमुख, भाजपा सांसद संजय जायसवाल ने हाल ही में कहा था कि प्रस्तावित अधिनियम के मुख्य प्रावधान वे ही हैं जो संप्रग सरकार द्वारा 2010 में लागू किए गए कानून में शामिल थे। जायसवाल ने बताया कि समिति ने हिंदू, ईसाई और अन्य समूहों से बातचीत की है और प्रस्तावित कानून पर उनकी राय सुनी है। उन्होंने आश्वासन दिया कि समिति सभी बिंदुओं पर गंभीरता से विचार-विमर्श करने के बाद ही कोई निर्णय लेगी।

एफसीआरए पर सरकार का सख्त रुख कायम, विपक्ष की उम्मीदों को झटका

नई दिल्ली (ए)। केंद्र सरकार विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) को लेकर अपने रुख में कोई बदलाव करने के पक्ष में नहीं दिख रही है। सूत्रों के अनुसार, सरकार आगामी शीतकालीन सत्र में इस कानून से जुड़े प्रस्तावों पर आगे बढ़ने की तैयारी में है। विदेशी चंदे के नियमन, उसके इस्तेमाल में पारदर्शिता और संबंधित संस्थाओं की जवाबदेही के मुद्दे को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की रिपोर्ट के आधार पर और सख्त बनाया जाएगा। यह कदम उन विपक्ष की उम्मीदों को धूमिल कर सकता है जो इस कानून में ढील की अपेक्षा कर रहे थे।

एफसीआरए भारत में कार्यरत गैर-सरकारी संगठनों, सामाजिक संस्थाओं और अन्य पात्र संगठनों पर लागू होता है, जो विदेश से धन प्राप्त करते हैं। इस कानून का मुख्य उद्देश्य विदेशी योगदान को नियंत्रित करना और यह सुनिश्चित करना है कि प्राप्त धन का उपयोग केवल निर्धारित उद्देश्यों के लिए ही हो, जिससे किसी भी प्रकार के दुरुपयोग को रोका जा सके। इससे पहले, एफसीआरए संशोधन विधेयक, 2026 को लोकसभा में 25 मार्च को पेश किया गया था। बाद में, 12 अगस्त को इसे विस्तृत समीक्षा के लिए 31 सदस्यीय संयुक्त संसदीय समिति के पास भेज दिया गया। समिति को शीतकालीन सत्र के पहले सप्ताह के अंतिम दिन तक अपनी रिपोर्ट सौंपनी है। प्रस्तावित संशोधनों में एक महत्वपूर्ण प्रावधान यह भी है कि विदेशी धन से बनाई गई संपत्तियों के प्रबंधन और निपटान के लिए एक नामित प्राधिकरण का गठन किया जाएगा। इस विधेयक पर विचार-विमर्श करने वाली संयुक्त संसदीय समिति के प्रमुख, भाजपा सांसद संजय जायसवाल ने हाल ही में कहा था कि प्रस्तावित अधिनियम के मुख्य प्रावधान वे ही हैं जो संप्रग सरकार द्वारा 2010 में लागू किए गए कानून में शामिल थे। जायसवाल ने बताया कि समिति ने हिंदू, ईसाई और अन्य समूहों से बातचीत की है और प्रस्तावित कानून पर उनकी राय सुनी है। उन्होंने आश्वासन दिया कि समिति सभी बिंदुओं पर गंभीरता से विचार-विमर्श करने के बाद ही कोई निर्णय लेगी।

राज ठाकरे का बड़ा दावा: 4-5 महीने में होगा सियासी उलटफेर

नई दिल्ली (ए)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने अगले चार से पांच महीनों के भीतर देश में बड़े राजनीतिक बदलाव की आशंका जताई है। उन्होंने चौंकाने वाला दावा करते हुए कहा कि उन्हें इस बात पर भी हैरानी नहीं होगी अगर कुछ समय के लिए देश में प्रधानमंत्री का पद खाली हो जाए। ठाकरे ने मुंबई प्रेस क्लब में द डांस ऑफ डेमोक्रेसी नामक फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए बैलेट पेपर के इस्तेमाल की अपनी मांग दोहराई। राज ठाकरे ने कहा कि वे साल 2018 से ही चुनाव बैलेट पेपर के जरिए कराने की मांग कर रहे हैं।

लड़ाकू जेट राफेल-मरीन भारत पहुंचे, गोवा में चल रहा गहन उड़ान परीक्षण

नई दिल्ली,(ए)। फ्रांस का अत्याधुनिक कैरियर-बेस्ड लड़ाकू विमान, राफेल-मरीन, भारत पहुंच चुका है और गोवा में इसका गहन उड़ान परीक्षण चल रहा हैं। इन परीक्षणों का मुख्य उद्देश्य यह आकलन करना है कि इस घातक फाइटर जेट को भारतीय नौसेना के स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत से कुशलतापूर्वक संचालित करने के लिए किन तकनीकी समायोजनों और बदलावों की जरुरत होगी। यह प्रक्रिया भारतीय नौसेना के कैरियर एविएशन कार्यक्रम के लिए बहुत अहम है, क्योंकि राफेल-एम को भविष्य में समुद्र से दुश्मन के ठिकानों पर सटीक हमले करने और हवाई सुरक्षा क्षमताओं को अभूतपूर्व स्तर तक बढ़ाने के लिए शामिल किया जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय नौसेना ने फ्रांस के साथ 26 राफेल-मरीन लड़ाकू जेट खरीदने के लिए 63,000 करोड़ रुपए की डील की है। इस सौदे के तहत 22 सिंगल-सीट और 4 ट्विन-सीट विमान शामिल हैं, जिनकी डिलीवरी 2028 के अंत या 2029 की शुरुआत तक होना तय है। गोवा में चल रहे परीक्षण यह तय करेंगे कि विमान आईएनएस विक्रांत जैसे विमानवाहक पोत से उड़ान भरने और उस पर सुरक्षित रूप से उतरने की परिचालन



आवश्यकताओं को पूरा कर सकें।

रिपोर्ट के मुताबिक फ्रांस की डसॉल्ट एविएशन द्वारा विकसित राफेल-एम, फ्रांसीसी नौसेना में पहले से ही सेवा में है। भारतीय नौसेना में इसके शामिल होने से कैरियर-बेस्ड लड़ाकू विमानन की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। यह आधुनिक लड़ाकू विमान भारत की समुद्री सैन्य क्षमता के लिए एक गेम चेंजर साबित होगा। यह सौदा 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य के अनुरूप प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और भारत में स्वदेशी हथियारों के एकीकरण को भी बढ़ावा देगा।

ये 26 राफेल-एम विमान भारतीय नौसेना के दोनों विमानवाहक पोतों, आईएनएस विक्रांत और आईएनएस विक्रमादित्य से संचालित होने में सक्षम होंगे। ये जेट एयर डिफेंस, समुद्री हमले, टोही अभियान और तट पर मौजूद लक्ष्यों पर हमले सहित कई प्रकार के मिशनों को अंजाम दे सकते हैं। यह नौसेना को दुश्मन के लड़ाकू विमानों को निशाना बनाने, अपने बेड़े की हवाई सुरक्षा को मजबूत करने और समुद्री क्षेत्रों पर नियंत्रण बनाए रखने में मदद करेगा, जिससे हिंद महासागर में भारत की रणनीतिक बढ़त सुनिश्चित होगी।

भारत को अपनी सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने का पूरा अधिकार

मुंबई,(ए)। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक कार्यक्रम में आतंकवाद के खिलाफ भारत की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि देश को अपनी सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने का पूरा अधिकार है। उन्होंने अमेरिका से भी आतंकवाद के प्रति सख्त रुख बनाए रखने की अपेक्षा जताई। इस मौके पर जयशंकर ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो की ओर से मुंबई के 26/11 आतंकी हमले के स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करने की सराहना की। यह संदेश ऐसे समय में आया है जब भारत, पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ अपनी जीरो टॉलरेंस की नीति को लेकर अडिग है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मुंबई में अमेरिकी स्वतंत्रता की 250वीं सालगिरह के उपलक्ष्य में आयोजित 'फ्रीडम 250' रिसेप्शन में जयशंकर ने भारत-अमेरिका संबंधों और बदलते वैश्विक परिदृश्य पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो और भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर भी मौजूद थे। जयशंकर ने कहा कि 26/11 स्मारक पर रूबियो का श्रद्धांजलि देना मुंबई और पूरे भारत के लिए सम्मान की बात है। उन्होंने आतंकवादी हमले के प्रमुख साजिशकर्ताओं में शामिल तहव्वुर हुसैन राणा के प्रत्यर्पण के अमेरिकी प्रशासन के फैसले का भी स्वागत किया। जयशंकर ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ आत्मरक्षा भारत की नीति का अहम हिस्सा है और इस मुद्दे पर किसी तरह की नरमी स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्री के सामने यह भी संकेत दिया कि अगर भारत-अमेरिका के बीच आगे सहयोग जारी रहता है, तो जरूरी है कि अमेरिका उसकी आतंकवाद के प्रति प्रतिबद्धता को समझे। यह बयान इसलिए अहम है क्योंकि पिछले एक साल से अमेरिका का रुख पाकिस्तान को लेकर काफी नरम रहा है, जबकि आतंकवाद के मामले में भारत के साथ उसके रिश्ते बिगड़े हैं। फिलहाल तो इसी मामले को लेकर भारत-पाकिस्तान के बीच वार्ता भी बंद है। विदेश मंत्री ने कहा कि मौजूदा समय में वैश्विक व्यवस्था तेजी से बदल रही है, और ऐसे में प्रत्येक देश अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर नीतियां बना रहा है। उन्होंने जोर दिया कि भारत और अमेरिका को अपने साझा हितों का विस्तार करना चाहिए, ताकि दोनों देशों के रिश्ते ज्यादा मजबूत हो सकें।